MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
जून 2023

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

मैनेज का 36वां स्थापना दिवस मनाया गया

कृषि विस्तार में उत्कृष्टता के प्रति हमारे अटूट निष्ठा के प्रमाण के रूप में, मैनेज ने दिनांक 11 जून, 2023 को अपना 36वां स्थापना दिवस मनाया। किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान देने के साथ मैनेज के मूल्यों को बनाए रखने और वैश्विक मानकों के लिए प्रयास करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए पूरा मैनेज परिवार दिनांक 12 जून, 2023 को एक जुट हुआ।

डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को निष्कपटता, प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ किसानों के कल्याण के लिए फिर से समर्पित होने की शपथ दिलवाई। उन्होंने अपने भाषण मे जोर देकर कहा कि मैनेज का प्रभाव पूरे देश और उससे परे व्यापक नेटवर्क, भागीदारी

पेज संख्या 7 पर जारी

इस अंक के मुख्य विषय :

- मैनेज का 36वां स्थापना दिवस मनाया गया...1 एवं 6
- तीसरा मैनेज कृषि विस्तार पुरस्कार-2022 ...2-3
- आईएसईई सेमिनार में मैनेज की भागीदारी ...4-5
- ओडिशा और एफईईडी के सरकार के साथ समझौता ज्ञापन ... 7
- तेलंगाना में बाजार के साथ कृषि उद्यमियों को जोड़ना 8
- पीजीडीएम (एबीएम) का 28 वां बैच का प्रारंभ 9
- जलवायु लचीला कृषि और मूल्य-श्रृंखला आधारित विस्तार 10
- राष्ट्रीय प्रशिक्षण कॉन्क्लेव में मैनेज...11
- कृषि आधारित एसएमई और पोषक-संवेदनशील कृषि पर प्रशिक्षण..12
- डीएईएसआई फैसिलिटेटर्स के लिए कार्यशाला... 13
- हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार...14
- योग दिवस एवं रक्तदान दिवस मनाया गया....16
- पर्यावरण दिवस और मिशन लाइफ मनाया गया...17
- डॉ. कृष्णमूर्ति की सेवनिवृति ...18

महानिदेशक का संदेश

कृषि-व्यवसाय प्रबंधन शिक्षा के क्षितिज का विस्तार

मैनेज देश में कृषि व्यवसाय प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी रहा है। कृषि-व्यवसाय क्षेत्र के लिए तकनीकी-प्रबंधकों की आवश्यकता को पहचानते हुए, हमने 1996 में भारत में पहली बार प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (कृषि-व्यवसाय प्रबंधन) पाठ्यक्रम शुरू किया। तभी से, मैनेज पीजीडीएम(एबीएम) पाठ्यक्रम को हर तरह से जीवंत और सफल बनाए रखने मे प्रयासरत है। पिछले कुछ वर्षों में, पीजीडीएम (एबीएम) ने अपने पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र, प्लेसमेंट के संदर्भ में अपने क्षितिज का विस्तार किया है, जिसमें प्रतिष्ठित संस्थानों के शिक्षकों और अंतरराष्ट्रीय इमर्शन कार्यक्रमों के छात्रों को शामिल किया गया है।

छठवें मैनेज दीक्षांत समारोह में श्री नरेंद्र सिंह तोमर, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार द्वारा पीजीडीएम (एबीएम) की सीटों की संख्या 66 से बढ़ाकर 100 करने की घोषणा मैनेज में कृषि व्यवसाय प्रबंधन शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। तदनुसार, हमने देश में अधिक संख्या में छात्रों को कृषि-व्यवसाय शिक्षा प्रदान करने के लिए वर्ष 2023 से पीजीडीएम (एबीएम) सीटों की संख्या बढ़ाकर 100 कर दी है।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैनेज ने देश के 46 कृषि विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले 19 राज्यों के 100 छात्रों के साथ पीजीडीएम(एबीएम) -2023-2025 के 28वें बैच का उद्घाटन किया है, जो एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

> “छठवें मैनेज दीक्षांत समारोह में श्री नरेंद्र सिंह तोमर, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार द्वारा पीजीडीएम (एबीएम) की सीटों की संख्या 66 से बढ़ाकर 100 करने की घोषणा मैनेज में कृषि व्यवसाय प्रबंधन शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।”

मैनेज अपनी पीजीडीएम(एबीएम) गतिविधियों को सीमाओं से परे विस्तारित करने का भी प्रस्ताव रख रहा है। जुलाई 2023 के दौरान, पीजीडीएम (एबीएम) के छात्रों का पहला बैच नॉटिंघम मलेशिया विश्वविद्यालय में एक इंटरनेशनल समर स्कूल-2023 के लिए प्रस्थान कर रहा है। मैनेज भविष्य में पाठ्यक्रम को 20 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए भी खोलने की तैयारी कर रहा है।

हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि, अब तक मैनेज ने 1228 अत्यधिक सक्षम टेक्नो मैनेजर तैयार किए हैं, जिन्होंने भारत और विदेशों में सभी प्रमुख कृषि-व्यवसाय कंपनियों में प्रमुख पदों को ग्रहण किया है। हमें यकीन है कि मैनेज की सफलता की कहानी कई संगठनों को प्रेरित करती है और देश में भविष्य की कृषि-व्यवसाय प्रबंधन शिक्षा का मार्गदर्शन करती है।

Dr. P. Chandra Shekara
Director General

सर्वोत्तम थीसिस और पुस्तकों के लिए पुरस्कार

तृतीय मैनेज कृषि विस्तार पुरस्कार-2022

कृषि विस्तार में सर्वश्रेष्ठ थीसिस और पुस्तकों को पुरस्कार प्रदान करने हेतु तीसरा मैनेज कृषि विस्तार पुरस्कार समारोह दिनांक 13 जून, 2023 को मैनेज, हैदराबाद में आयोजित किया गया था।

श्री. सैमुअल प्रवीण कुमार, संयुक्त सचिव (विस्तार), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और विजेताओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने अपने संबोधन में कृषि अनुसंधान को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और सरकार की चल रही योजनाओं के साथ जोड़ने के महत्व पर जोर दिया।

डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने व्यावहारिक अनुसंधान के माध्यम से किसानों के सामने आने वाली क्षेत्र स्तरीय चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

प्रत्येक श्रेणी में योग्य विजेताओं का विवरण निम्नलिखित है:

कृषि में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर थीसिस विस्तार:

- **प्रथम पुरस्कार:** बिहार कृषि विश्वविद्यालय की सुश्री अंकिता कुमारी द्वारा लोकप्रिय खेती यूट्यूबर्स द्वारा अपनाई गई वीडियो रणनीतियों का सामग्री विश्लेषण

- **दूसरा पुरस्कार:** छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका बढ़ाने में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की भूमिका: भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के श्री भास्कर घोष द्वारा भारत सरकार की पीएम-किसान योजना का एक विशेष संदर्भ।

सर्वोत्तम थीसिस और पुस्तकों के लिए पुरस्कार

तृतीय मैनेज कृषि विस्तार पुरस्कार-2022

- **तीसरा पुरस्कार:** कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर की सुश्री शमीम कासर द्वारा कर्नाटक के उत्तरी संक्रमण क्षेत्र में प्राकृतिक खेती के तौर तरीकों को अपनाने पर एक अध्ययन

कृषि विस्तार में सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी. थीसिस:

- **प्रथम पुरस्कार:** ऊर्जा, जलवायु और ज्ञान प्रबंधन के संदर्भ में पारिस्थितिकी सेवाओं का अनुमान: पश्चिम बंगाल के बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय से डॉ. रीति चटर्जी द्वारा संरक्षण कृषि के सामाजिक-पारिस्थितिकी की गतिशीलता।
- **दूसरा पुरस्कार:** जल-निवारक-कार्बन प्रबंधन के संदर्भ में संरक्षण कृषि की सामाजिक पारिस्थितिकी: पश्चिम बंगाल के बीसीकेवी से डॉ. अनुशा मंडल द्वारा विश्लेषण और व्याख्या।
- **तीसरा पुरस्कार:** केरल कृषि विश्वविद्यालय से डॉ. नधिका के द्वारा सीमांत और छोटे किसानों के संवर्धन के लिए सब्जियों में विपणन हस्तक्षेप का विश्लेषण।

कृषि विस्तार में सर्वश्रेष्ठ पुस्तक:

- **प्रथम पुरस्कार:** डॉ. विवेक कुमार गुप्ता और उनकी टीम द्वारा सुअर पालन का ए-जेड।
- **दूसरा पुरस्कार:** डॉ. शंकर एम.एच. और उनकी टीम द्वारा उद्यमिता विकाश एवं व्यवसाय संचार।
- **तीसरा पुरस्कार:** डॉ. महेश चंदर और डॉ. प्रकाश कुमार राठौड़ द्वारा कृषि और पशुपालन विस्तार के मूल सिद्धांत।

डॉ. एन. बालासुब्रमणी, निदेशक(सीएसए और सीसीए), मैनेज ने पुरस्कार समारोह का समन्वय किया।

मैनेज प्रतिभाशाली पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण अनुसंधान और कृषि विस्तार में योगदान के लिए बधाई देता है।

माध्यमिक कृषि के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी विस्तार में मैनेज की भागीदारी

मैनेज ने दिनांक 22-24 जून, 2023 के दौरान कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर (यूएएस-बैंगलोर) में सतत विकास के लिए माध्यमिक कृषि के प्रति विस्तार विज्ञान के विकास पर 3 दिवसीय इंडिया सोसाइटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन (आईएसईई) राष्ट्रीय सेमिनार 2023 में सक्रिय रूप से भाग लिया।

सुश्री शोभा करंदलाजे, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने सेमिनार का उद्घाटन किया। डॉ. अशोक दलवई, सीईओ, एनआरएए; डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. यू. एस. गौतम, डीडीजी (विस्तार), आईसीएआर; डॉ. सुरेश, वीसी-यूएएस बैंगलोर; डॉ. ईश्वरप्पा, अध्यक्ष, आईएसईई (केसी); डॉ. वेंकटसुब्रमण्यम, निदेशक, अटारी, बेंगलुरु और वाई.एन. शिवलिंगैया, आयोजन सचिव ने उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया। इस सेमिनार में देशभर से 750 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक-मैनेज ने अपने उद्घाटन भाषण में कृषि उद्यमियों, इनपुट डीलरों, एफपीओ, एटीएमए/एसएएमईटीआई/ईईआई में विस्तार पेशेवरों, वैज्ञानिकों, संकाय और छात्रों को माध्यमिक कृषि पर संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने सेमिनार में "माध्यमिक कृषि को मजबूत बनाने के लिए कृषि विस्तार में नवीन रास्ते: मैनेज का अनुभव" शीर्षक से एक मुख्य प्रस्तुति दी। उन्होंने व्यापक प्रशिक्षित जनशक्ति और मैनेज की नवीन पहलों से संबंधित विशेषज्ञों और अवधारणाओं जैसे

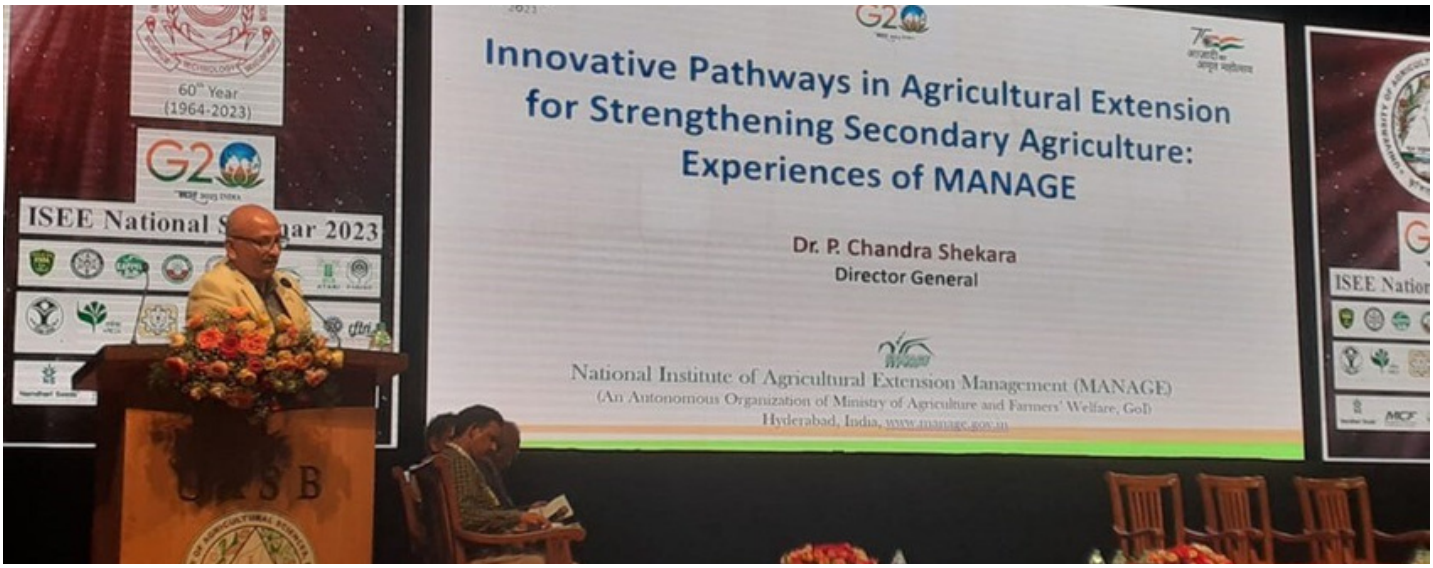

माध्यमिक कृषि के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी विस्तार में मैनेज की भागीदारी

मैनेज-सेवा, कृषि पत्रकारों का नेटवर्क, एफपीओ अकादमी, सीएसआर फाउंडेशन, सर्वश्रेष्ठ कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्टअप के लिए पुरस्कार, कृषि विस्तार में पुस्तकें और थीसिस एवं कृषि फिल्म पर प्रकाश डाला। उन्होंने माध्यमिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए इन पहलों को प्रभावी ढंग से अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

माध्यमिक कृषि के लिए रोडमैप तैयार करते हुए, डॉ. पी. चंद्र शेखरा ने इस बात पर जोर दिया कि वस्तु-विशिष्ट आईसीएआर संस्थानों/एसएयू को प्रत्येक वस्तु के लिए मूल्य श्रृंखला मॉडल पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की जरूरत है और माध्यमिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए उन्हें अपनी वेबसाइटों पर उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि माध्यमिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए, प्रत्येक केवीके में एक परियोजना सुविधा केंद्र स्थापित करना आवश्यक है, जो किसानों द्वारा प्रत्यक्ष विपणन का समर्थन करने के लिए और छात्रावासों, स्कूलों, अस्पतालों, जेल आदि जैसे सार्वजनिक संस्थानों द्वारा माध्यमिक कृषि उत्पादों की अनिवार्य खरीद करने के लिए एक ऑनलाइन मंच के रूप मे कार्य करता है।

मैनेज प्रदर्शनी: सेमिनार के दौरान मैनेज ने प्रदर्शनी में तीन स्टालों के माध्यम से अपनी गतिविधियों, कार्यक्रमों और योजनाओं का प्रदर्शन किया। स्टॉलों में कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्टअप्स की सेवाएँ और उत्पाद प्रस्तुत किए गए, जिन्हें मैनेज द्वारा प्रशिक्षण और सलाह दी गई है। स्टालों ने वैज्ञानिकों, कृषि विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों, कृषि उद्यमियों, कृषि स्टार्टअप, किसानों, छात्रों और विद्वानों सहित अधिक से अधिक प्रतिनिधियों को आकर्षित किया, जो सहयोग के लिए जानकारी और अवसर तलाश रहे थे।

मैनेज का 36वां स्थापना दिवस मनाया गया

सहयोगी संस्थान और लाभार्थी के माध्यम से नजर आता है। मैनेज को एक अवधारणा नर्सरी की तरह कार्य करना जारी रखना चाहिए, नए विचारों का आविष्कार करना चाहिए और कृषि विस्तार में सुधार के लिए उनका पोषण करना चाहिए।

इस अवसर पर, मैनेज इनोवेशन फेस्टिवल का आयोजन किया गया , जिसमें मैनेज के प्रत्येक संकाय सदस्य और कर्मचारियों को तीन स्तरों, व्यक्तिगत स्तर, प्रभाग या केंद्र स्तर और संस्थागत स्तर पर प्रदर्शन और सही प्रभाव में सुधार के लिए नवीन विचारों को साझा करने के लिए कहा गया था। वरिष्ठ संकाय सदस्यों की एक निर्णय मंडली ने प्रविष्टियों की जांच की और नवोन्वेषी विचार प्रस्तुत करने वाले विजेता की घोषणा की। डॉ. सागर देशमुख, अकादमिक एसोसिएट (प्रथम पुरस्कार), डॉ. श्रीकांत, निदेशक, कृषि व्यवसाय प्रबंधन (द्वितीय पुरस्कार), और सुश्री दिव्यता जोशी, सलाहकार (तृतीय पुरस्कार) ने उनके उल्लेखनीय विचार के लिए मैनेज इनोवेशन फेस्टिवल अवार्ड और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

संकाय और स्टाफ सदस्यों ने भी अपने व्यक्तिगत अनुभवों, मैनेज में अपनी यात्रा और योगदान को साझा करने का अवसर लिया, जिसने देश में कृषि विस्तार पर सकारात्मक और परिवर्तनकारी प्रभाव डाला।

समझौता ज्ञापन (एमओयू)

कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा सरकार के साथ 500 अधिकारियों को ट्रेनिंग

मैनेज और ओडिशा सरकार के कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग (डीएएण्डएफई) ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहयोग के लिए दिनांक 26 जून, 2023 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस समझौते के तहत, मैनेज ओडिशा सरकार के कृषि विभाग के 500 अधिकारियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए 20 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिनमें से प्रत्येक कार्यक्रम पांच दिनों तक चलेगा। प्रशिक्षण में दस महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया जाएगा, जिनमें जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कार्बन क्रेडिट, डिजिटल कृषि, सौर खेती, प्राकृतिक खेती, टिकाऊ खाद्य प्रणाली, कृषि उद्यमिता और विस्तार में नवाचार शामिल हैं।

समझौता ज्ञापन पर डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और श्री प्रेमचंद्र चौधरी, आईएएस, निदेशक, कृषि एवं खाद्य उत्पादन, ओडिशा सरकार द्वारा हस्ताक्षर किया गया। हस्ताक्षर समारोह में मैनेज के संकाय सदस्य और विभागों के सभी अधिकारी उपस्थित थे। इस साझेदारी का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए अधिकारियों को मूल्यवान ज्ञान और कौशल से लैस करना है, जिससे अंततः किसानों को लाभ होगा और ओडिशा की कृषि के समग्र विकास में योगदान मिलेगा।

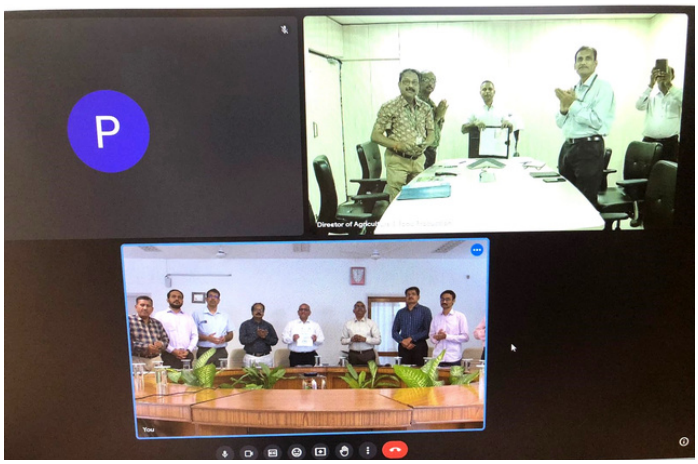

कृषि निर्यात प्रोत्साहन के लिए फ़ीड के साथ

मैनेज ने दिनांक 13 जून, 2023 को फार्म टू फॉरेन एक्सपोर्ट्स एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (फीड), आंध्र प्रदेश के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस समझौते पर डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और श्री. वामसी, सीईओ, फ़ीड ने हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य अपनी कृषि वस्तुओं को विदेशों में निर्यात करने के इच्छुक किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को व्यापक समर्थन देना है।

एमओयू इन एफपीओ को संपूर्ण समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिससे वैश्विक बाजारों में उनके सफल प्रवेश और विकास को सुविधाजनक बनाया जा सके। मैनेज और फ़ीड की विशेषज्ञता और संसाधनों को मिलाकर, साझेदारी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एफपीओ को आवश्यक ज्ञान, कौशल और समर्थन के साथ सशक्त बनाना चाहती है।

इस संयुक्त प्रयास के माध्यम से, मैनेज और फ़ीड एक मजबूत कृषि निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को बढ़ावा देने, एफपीओ के विकास को बढ़ावा देने और वैश्विक बाजार में भारत की उपस्थिति को बढ़ाने की आकांक्षा रखते हैं। यह पहल किसानों की आजीविका को ऊपर उठाने और आंध्र प्रदेश और उसके बाहर कृषि क्षेत्र की समग्र समृद्धि में योगदान करने की क्षमता रखती है।

कृषि उद्यमियों को तेलंगाना राज्य के किसान उत्पादक संगठनों से जोड़ना

तेलंगाना राज्य में एसी और एबीसी योजना के तहत प्रशिक्षित कृषि उद्यमियों को एफपीओ के साथ एकजुट करने के उद्देश्य से नाबार्ड-हैदराबाद के क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 6 जून, 2023 को कृषि उद्यमियों को किसान उत्पादक संगठनों के साथ जोड़ने पर एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, श्रीमती सुशीला चिंताला, सीजीएम-नाबार्ड, नोडल अधिकारी, कृषिउद्यमी और एफपीओ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में, डॉ. पी. चंद्र शेखरा , महानिदेशक, मैनेज ने कहा कि कृषिउद्यमी कृषि विकास का हिस्सा हैं और उन्हें किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के साथ जोड़ने से कृषक समुदाय में उनके योगदान का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि इससे कृषि उद्यमियों और एफपीओ दोनों को लाभ होगा।

श्रीमती सुशीला चिंताला, सीजीएम-नाबार्ड ने इस बात पर जोर दिया कि मांग और आपूर्ति का समर्थन करने के लिए किसानों, उद्योग और उपभोक्ताओं के बीच अंतर को कम करने के लिए तेलंगाना में एफपीओ के साथ एसीएबीसी योजना के तहत प्रशिक्षित कृषि उद्यमियों की मैपिंग आवश्यक है।

नाबार्ड अधिकारी ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी और इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना राज्य में एफपीओ की मैपिंग के दौरान, कुल 377 एफपीओ नाबार्ड के अधीन हैं, जिनमें से 250 एफपीओ थोक इनपुट की खरीद में लगे हुए हैं। इन एफपीओ को पूरे तेलंगाना राज्य में 148 कृषि उद्यमियों के विरुद्ध मैप किया गया था। इस बैठक की समाप्ति भविष्य में गतिविधियों के कार्यान्वयन के रोडमैप पर चर्चा के साथ हुई।

उच्च उपज किस्मों के बीजों पर बैठक

डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक(सीसीए) के नेतृत्व में, कृषि भवन, नई दिल्ली में उच्च उपज वाली किस्मों के बीजों के उत्पादन पर बैठक में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री. फैज़ अहमद किदवई, अतिरिक्त सचिव (इक्स्टेन्शन), डीए एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार ने दिनांक 2 जून, 2023 को बैठक की। बैठक के दौरान, डॉ. पी. चंद्र शेखरा ने बीज गुणन और ऑन-फार्म प्रदर्शन में केवीके की भूमिका को मजबूत करने पर प्रस्तुति दी।

उद्घाटन

मैनेज ने पीजीडीएम (एबीएम) के 28वें बैच के छात्रों का स्वागत किया

मैनेज ने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट) (पीजीडीएम-एबीएम) कार्यक्रम के 28वें बैच (2023-2025) के उद्घाटन का जश्न मनाया, जो वर्ष 2023 मे दाखिला लेने के लिए एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। कृषि विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले 19 राज्यों के कुल 100 छात्रों ने मैनेज मे अपनी दो साल की यात्रा का शुभारंभ किया।

उद्घाटन समारोह में, छात्रों को जीवन में अपने रुचि और लक्ष्यों को साझा करने का अवसर मिला, उन्होंने आशा व्यक्त किया कि मैनेज उनके सपनों को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा। डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने नए छात्रों को बधाई दी और उन्हें आश्वासन दिया कि मैनेज उनके समग्र विकास के लिए एक मंच प्रदान करेगा, जिससे वे कृषि व्यवसाय क्षेत्र में सार्थक योगदान देने में सक्षम होंगे।

उन्होंने छात्रों को महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने और मैनेज में उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें ACABC (कृषि ऋण सलाहकार समिति) जैसी योजनाओं के बारे में सीखना और "मी एंड माई प्लांट्स", "मीट एंड ग्रीट" और "चलें और बात करें" जैसे नवीन कार्यक्रमों में शामिल होना शामिल है। डॉ. शेखरा ने स्वयं के पोषण और उद्योग विशेषज्ञों के साथ संबंध स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से अपने कार्यों और भविष्य के प्रयासों में हमेशा किसानों की समृद्धि को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

उद्घाटन कार्यक्रम में प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें पीजीडीएम (एबीएम) के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आनंद रेड्डी, निदेशक (एबीएम) डॉ. एम. श्रीकांत और अन्य संकाय सदस्य और कर्मचारी शामिल थे।

यह उद्घाटन छात्रों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है, क्योंकि वे मैनेज में अपनी पढ़ाई शुरू कर रहे हैं। संस्थान के संकाय और संसाधनों के मार्गदर्शन और समर्थन से, ये छात्र गतिशील पेशेवरों के रूप में विकसित होने के लिए तैयार हैं, जो कृषि व्यवसाय क्षेत्र में योगदान देने और किसानों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्षा आधारित क्षेत्रों में जलवायु अनुकूल बीज प्रणालियाँ

मैनेज ने आरआरए नेटवर्क के सहयोग से वर्षा आधारित क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती में जलवायु अनुकूल बीज प्रणालियों पर केंद्रित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया। हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इस कार्यक्रम का तीसरा बैच 1 से 3 जून, 2023 तक चला, जिसमें 23 उत्साही व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी थी।

प्रतिभागियों ने चल रही पहलों के अपडेट साझा किए। कृषि विकास और लचीलेपन के क्षेत्र में हम जो प्रभावशाली कार्य कर रहे हैं, उसके बारे में अधिक जानकारी के लिए हमारे साथ बने रहें।

मैनेज की उप निदेशक डॉ. बी. रेणुका रानी (एनआरएम) ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

मूल्य श्रृंखला आधारित कृषि विस्तार

मैनेज ने 12 जून, 2023 को "एफपीओ और कृषि-स्टार्टअप द्वारा मूल्य श्रृंखला-आधारित कृषि विस्तार" नामक एक व्यापक 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रृंखला विकास, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को सशक्त बनाने, कृषि स्टार्टअप का समर्थन करने और सामुदायिक विस्तार प्रणालियों को बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने के साथ कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं को मूल्य से संबंधित आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना था।

पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, 26 प्रतिभागियों को उद्योग विशेषज्ञों द्वारा आयोजित सत्रों में भाग लेने का अवसर मिला। उन्हें आईसीआरआईएसएटी (अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान) और विभिन्न कृषि व्यवसायों का दौरा करने और वास्तविक दुनिया की प्रथाओं और दृष्टिकोणों में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का भी सौभाग्य मिला। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागी निपुण उद्यमियों द्वारा साझा की गई सफलता की कहानियों को सुनकर प्रेरित हुए।

मैनेज की इस प्रशिक्षण पहल का उद्देश्य कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करना, मूल्य श्रृंखला गतिशीलता की उनकी समझ को बढ़ावा देना और उन्हें कृषि क्षेत्र मे सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सशक्त बनाना है। एफपीओ और कृषि-स्टार्टअप को समर्थन देने पर कार्यक्रम का जोर कृषि और ग्रामीण समुदायों के सतत विकास को सुनिश्चित करने में सहयोग और नवाचार के महत्व को रेखांकित करता है।

डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज ने कार्यक्रम का संचालन किया।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण कॉन्क्लेव 2023 में मैनेज

मैनेज नई दिल्ली में राष्ट्रीय प्रशिक्षण कॉन्क्लेव 2023 में भाग लेकर प्रसन्न है, जिसका उद्घाटन दिनांक 11 जून, 2023 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

मैनेज का प्रतिनिधित्व करते हुए, डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसएएंडसीसीए), और डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अटालूरी (ज्ञान प्रबंधन), उप निदेशक, मैनेज को इस प्रतिष्ठित समारोह मे भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

कॉन्क्लेव ने व्यापक क्षमता निर्माण योजनाएं विकसित करने, डिजिटल शिक्षण संसाधनों के निर्माण और साझाकरण को बढ़ावा देने और मानव संसाधन प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने के लिए देश भर के प्रशिक्षण संस्थानों के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में कार्य किया।

इन प्रयासों का उद्देश्य भारत में सिविल सेवकों की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाना है।

कृषि नवप्रवर्तकों के लिए समूह 9 कार्यक्रम शुरू किया गया

मैनेज - सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एग्रीप्रेन्योरशिप को दिनांक 21 जून, 2023 को कोहोर्ट 9 के मेंटरिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम के लॉन्च की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। वर्चुअल उद्घाटन सत्र में 60 प्रतिभागियों की उपस्थिति देखी गई, जिन्हें आरकेवीवाई रफ़्तार कार्यक्रम की एओपी और एसएआईपी श्रेणी के तहत चुना गया था।

डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार) और मैनेज-सीआईए के सीईओ ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और एक प्रेरक उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और उन्हें अपने व्यक्तिगत स्टार्टअप और विचारों के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित किया और किसानों के समर्थन के महत्व पर जोर दिया।

सत्र के दौरान, प्रतिभागियों को कोहोर्ट 9 प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन प्राप्त हुआ। मैनेज-सीआईए टीम प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए उपलब्ध थी, जिससे कार्यक्रम और उसके उद्देश्यों की व्यापक समझ सुनिश्चित हो सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि आधारित लघु उद्योगों को बढ़ावा देना

मैनेज- कृषि-व्यवसाय प्रबंधन केंद्र ने दिनांक 26 से 28 जून, 2023 तक मैनेज में "संस्थागत ऋण के माध्यम से कृषि-आधारित एसएमई को बढ़ावा देने" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बैंकों और वित्तीय संस्थानों से संस्थागत ऋण तक पहुंच के माध्यम से कृषि आधारित सूक्ष्म और लघु उद्यमों को बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य इस संदर्भ में विभिन्न प्रमुख सरकारी योजनाओं के उपयोग का पता लगाना भी है।

इस कार्यक्रम ने 16 राज्यों से 25 प्रतिभागियों को आकर्षित किया है। मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के महत्व पर प्रकाश डाला क्योंकि फसलों की खेती के लिए वित्त मुख्य इनपुट है; उनका मानना था कि कृषि को एक मात्र गतिविधि के बजाय एक उद्यम के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से क्रेडिट की कला सीखकर कार्यक्रम का सर्वोत्तम उपयोग करने और विस्तार अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए इसे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि एसएमई की व्यवसाय योजना को कंपनी को बैंक योग्य बनाने के लिए क्रेडिट, बाजार लिंकेज और डिजिटल पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

कार्यक्रम का समन्वयन एबीएम के निदेशक डॉ. एम. श्रीकांत और अकादमिक एसोसिएट डॉ. के. नरेश की सहायता से किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्षेत्रीय पदाधिकारियों के लिए पोषण-संवेदनशील कृषि

मैनेज ने दिनांक 19 से 23 जून, 2023 तक आयोजित 5-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, "क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की पोषण संवेदनशील कृषि क्षमताओं को बढ़ाना (FLS)" लॉन्च किया। यह कार्यक्रम कृषि में पोषण-संवेदनशील प्रथाओं के कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कुल 21 प्रतिभागियों ने सत्र में भाग लिया और बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की। मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा ने पोषण के महत्व, मूल्य संवर्धन, आवश्यक स्वच्छता कार्यों, कुपोषण से निपटने और कृषि को अधिक पोषण-संवेदनशील बनाने में संतुलित आहार प्रथाओं के महत्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने स्वस्थ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में पोषण विपणन की भूमिका पर भी जोर दिया।

कार्यशाला

इनपुट डीलरों को किसान मित्र में बदलने के लिए फैसिलिटेटरों का क्षमता निर्माण

मैनेज ने दिनांक 27 जून, 2023 को अपने परिसर में इनपुट डीलर्स (देसी) कार्यक्रम के लिए डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सर्विसेज के फैसिलिटेटर्स की क्षमता निर्माण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 28 सुविधाप्रदाताओं और राज्य नोडल अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

कार्यशाला के उद्घाटन के दौरान, मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा ने उभरते कृषि परिदृश्य में इनपुट डीलरों की छवि को केवल शोषकों से किसानों के मित्र, मार्गदर्शक और सलाहकार बनने में बदलने पर जोर दिया।

उन्होंने उस महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला जो इनपुट डीलर #एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन), कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ), कृषि लॉजिस्टिक्स और ड्रोन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों सहित विभिन्न लाभों तक किसानों की पहुंच को सुविधाजनक बनाने में निभा सकते हैं।

कार्यशाला का प्रभावी ढंग से समन्वय डॉ. महंतेश शिरूर, उप निदेशक (एई) और डीएईएसआई कार्यक्रम के प्रधान समन्वयक द्वारा किया गया, जिसमें मैनेज के अकादमिक सहयोगी डॉ. नवीन का बहुमूल्य सहयोग रहा।

अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. पोलियाकोव ने मैनेज का दौरा किया

डॉ. इव्गुएनी विक्टोरोविच पोलियाकोव, सलाहकार (आर्थिक विकास), विश्व बैंक और एफएओ, नीदरलैंड्स इकोनॉमिक ऑब्जर्वेटरी (एनईओ), नीदरलैंड्स ने दिनांक 23 जून, 2023 को मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी.चंद्र शेखरा से मुलाकात की और मैनेज संकाय के साथ बातचीत की। चर्चा कृषि विस्तार की उभरती चुनौतियों और भारत में विस्तार वितरण प्रणाली में सुधार के लिए भारतीय नवाचारों पर केंद्रित थी।

बैठक के दौरान एफपीओ, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से बड़ी संख्या में किसानों के बीच जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियां प्रदान करने के संभावित तरीकों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

हिन्दी भाषा की प्रगति

हिन्दी अनुवाद पाठ्यक्रम का आयोजन

मैनेज ने दिनांक 5 से 9 जून, 2023 तक केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4 (सीजीओ) और महाप्रबंधक कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे के साथ साझेदारी में 5

दिवसीय अनुवाद पाठ्यक्रम (आउटरीच) का आयोजन किया। पाठ्यक्रम में टोलिक के सदस्य संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 22 अधिकारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई और सभी उपस्थित लोगों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

उद्घाटन सत्र के दौरान, मैनेज के सम्मानित महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा ने लक्षित दर्शकों को ध्यान में रखते हुए अनुवाद के माध्यम से संदेशों को प्रभावी ढंग से वितरित करने के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन मैनेज के श्री श्रीधर खिस्ते, उप निदेशक (प्रशासन) और डॉ. के. श्रीवल्ली, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा किया गया। जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों के अनुवाद कौशल को बढ़ाना और प्रभावी संचार को बढ़ावा देना था।

मैनेज सभी उपस्थित लोगों की सक्रिय भागीदारी और समर्पण के लिए सराहना करता है और उनके भाषाई प्रयासों में उनकी निरंतर सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता है।

हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार पर कार्यशाला

मैनेज ने दिनांक 27 जून, 2023 को अप्रैल-जून 2023 की अवधि के लिए त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य गैर-हिंदी भाषी कर्मचारियों के लिए हिंदी भाषा के व्याकरणिक पहलुओं को संबोधित करना था। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों ने राजभाषा शब्दावली का उपयोग करने और हिंदी में नोट लिखने का अभ्यास किया। सत्र का संचालन हिंदी शिक्षण योजना की रिसोर्स पर्सन डॉ. बेला कक्कड़ ने किया।

कार्यशाला का समन्वयन श्री श्रीधर खिस्ते, राजभाषा अधिकारी एवं डीडी (प्रशासन), और डॉ. के. श्रीवल्ली, सहायक निदेशक (राजभाषा), मैनेज द्वारा किया गया।

यस-टेक और विंड्स पर रोलआउट कार्यशाला

दिनांक 12 जून, 2023 को मैनेज, हैदराबाद में क्रेडिट डिवीजन, एमएएण्डएफडब्ल्यू द्वारा आयोजित एसटेक और वाईंडस पर रोलआउट कार्यशाला ने कृषि क्षेत्र को बदलने में प्रौद्योगिकी के उल्लेखनीय प्रभाव को प्रदर्शित किया।

सरकारी अधिकारियों, कृषि अनुसंधान संस्थानों, उद्योग विशेषज्ञों और हितधारकों को एक साथ लाते हुए, कार्यशाला ने भारतीय कृषि में क्रांति लाने के लिए एसटेक और वाईंडस की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

एमएनसीएफसी के निदेशक डॉ. सी. एस. मूर्ति ने जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने और कृषि चुनौतियों से निपटने के लिए किसानों को प्रभावी उपकरणों से लैस करने में प्रौद्योगिकी के एकीकरण को महत्वपूर्ण बताया।

श्री. रितेश चौहान, जेएस पीएमएफबीवाई ने फसल बीमा में पारदर्शिता के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यसटेक और विंड्स मैनुअल की मंजूरी से सरकारी और निजी क्षेत्रों के बीच अंतर कम हो जाएगा, जिससे व्यापक पहुंच और निर्बाध कार्यान्वयन सुनिश्चित होगा।

मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा ने पारदर्शिता, सटीकता और विश्वसनीयता को बढ़ावा देने के लिए फसल बीमा के साथ प्रौद्योगिकी के मिश्रण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने इन उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में विस्तार पेशेवरों की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए वेबिनार ज्ञान प्रबंधन

मैनेज ने दिनांक 26 जून, 2023 को "कृषि पुस्तकालय और सूचना पेशेवरों के लिए ज्ञान प्रबंधन" शीर्षक से एक वेबिनार सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सेंट्रल लाइब्रेरी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वारंगल के प्रतिष्ठित लाइब्रेरियन डॉ. के. वीरंजनेयुलु ने अपने समृद्ध अनुभव और कृषि ज्ञान प्रबंधन में नवीनतम रुझानों को साझा किया।

उन्होंने लाइब्रेरी के संदर्भ में एआई, आईओटी, बिग डेटा, क्लाउड कंप्यूटिंग, ऑगमेंटेड रियलिटी, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स, ड्रोन और 3 डी प्रिंटिंग जैसी नई तकनीकों के उपयोग पर एक मनोरम प्रस्तुति दी।

उन्होंने सेवाओं को बढ़ाने, संसाधन पहुंच में सुधार करने की उनकी क्षमता पर प्रकाश डाला और संस्थागत भंडार बनाने, उपयोगकर्ता इंटरफेस डिजाइन करने और अंतरपुस्तकालय सहयोग को बढ़ावा देने पर व्यावहारिक विवरण साझा किया।

वेबिनार ने 53 प्रतिभागियों को आकर्षित किया, जिससे कृषि पुस्तकालय और सूचना पेशेवरों के बीच ज्ञान के समृद्ध आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला। मैनेज के उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन) डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तालुरी ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

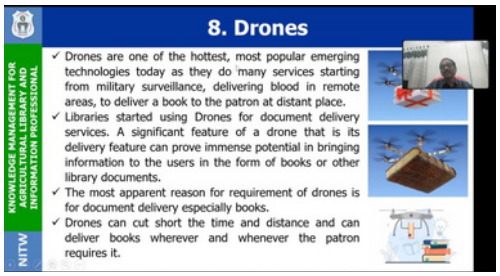

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

मैनेज ने दिनांक 21 जून, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा के साथ-साथ समर्पित संकाय और स्टाफ सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

सुंदर मैनेज परिसर में आयोजित योग सत्र सुबह 6:30 बजे शुरू हुआ और 7:30 बजे तक जारी रहा। मैनेज के योग प्रशिक्षक श्री रूपेंद्र ने योग सत्र का संचालन किया। वातावरण शांति और कल्याण के प्रति साझा प्रतिबद्धता से भरा हुआ था क्योंकि सभी ने योग का अभ्यास किया।

मैनेज में विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया

मैनेज ने रेड क्रॉस ब्लड बैंक के साथ साझेदारी में विश्व रक्तदाता दिवस के महत्व को चिह्नित करने के लिए दिनांक 14 जून, 2023 को सफलतापूर्वक एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का प्राथमिक उद्देश्य रक्तदान के महत्वपूर्ण महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था, साथ ही जीवन बचाने और बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में स्वैच्छिक रक्त दाताओं के अमूल्य योगदान को पहचानना और सराहना करना था। इस कार्यक्रम में मैनेज संकाय, कर्मचारियों और सलाहकारों की उत्साही भागीदारी देखी गई, जिन्होंने पूरे दिल से इस उद्देश्य को अपनाया। मैनेज परिवार के रूप में एकजुट होकर, उन्होंने रक्तदान के अपने निस्वार्थ कार्य के माध्यम से बदलाव लाने और जीवन बचाने का संकल्प लिया। उनकी प्रतिबद्धता और उदारता जरूरतमंद लोगों के लिए आशा और खुशी लाने की क्षमता रखती है, जो समाज पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करने में सामूहिक प्रयासों की शक्ति पर जोर देती है।

पर्यावरण दिवस पर मैनेज संकाय सदस्यों ने ग्रह की सुरक्षा का संकल्प लिया

मैनेज ने खुशी-खुशी हमारे ग्रह की सुंदरता का जश्न मनाया और दिनांक 5 जून, 2023 को पर्यावरण दिवस के दौरान इसके संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा के नेतृत्व में मैनेज के संकाय ने जलवायु परिवर्तन शमन की दिशा में एक प्रतीकात्मक संकेत के रूप में बोगुगनविलिया पौधे लगाए। उनका महत्वाकांक्षी लक्ष्य अगले वर्ष तक खिले हुए फूलों से सुसज्जित एक मनमोहक हरा पुल बनाना है,

जो पर्यावरण की भव्यता को संरक्षित करने के प्रति उनके समर्पण को प्रदर्शित करता है।

कार्यक्रम के दौरान, डॉ. चंद्र शेखरा ने प्लास्टिक कचरे को कम करने के महत्व पर जोर दिया और मैनेज में नो प्लास्टिक जोन की स्थापना का प्रस्ताव रखा। ये सक्रिय उपाय टिकाऊ प्रथाओं और स्वच्छ वातावरण के प्रति मैनेज के समर्पण को रेखांकित करते हैं।

छात्रों का मैनेज का अध्ययन दौरा

मिशन लाइफ के तहत, लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' मैनेज ने विश्व पर्यावरण दिवस की शाम को विवेकानन्द कृषि महाविद्यालय, हिवारा बीके, महाराष्ट्र के 48 बी.एस.सी. कृषि होनर्स के छात्रों की मेजबानी की।

अध्ययन दौरा मिशन लाइफ का एक हिस्सा था, जो आधुनिक कृषि तकनीकों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता था।

मैनेज संकाय छात्रों के साथ जुड़ा हुआ है, कृषि क्षेत्र में मैनेज के योगदान को प्रदर्शित कर रहा है और पर्यावरण-अनुकूल खेती को बढ़ावा दे रहा है।

सेवा-निवृति

डॉ. कृष्ण मूर्ती की विदाई

मैनेज, सहायक निदेशक (ज्ञान प्रबंधन) डॉ. ए. कृष्ण मूर्ति को दिनांक 30 जून, 2023 को उनकी सेवानिवृत्ति के सफल समापन पर हार्दिक बधाई देता है।

मैनेज में अपने 26 वर्षों से अधिक की समर्पित सेवा के साथ, डॉ. कृष्ण मूर्ति ने पुस्तकालय, दस्तावेज़ीकरण और सूचना सेवाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे संकाय, छात्रों और प्रतिभागियों को समान रूप से लाभ प्राप्त हुआ।

डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), और श्री श्रीधर खिस्ते, उप निदेशक (प्रशासन), मैनेज ने डॉ. कृष्ण मूर्ति का अभिनंदन किया, उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए और हार्दिक बधाई दी। विदाई कार्यक्रम के दौरान, मैनेज के संकाय और स्टाफ सदस्यों ने डॉ. कृष्ण मूर्ति के साथ अपने अनुभवों और सहयोग के बारे में उत्सुकतापूर्वक बात की और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

डॉ. कृष्ण मूर्ति ने अपने कार्यकाल के दौरान उनके अटूट समर्थन और सहयोग के लिए मैनेज के महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखरा और पूरे मैनेज परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। विदाई समारोह और भी खास बन गया क्योंकि डॉ. कृष्ण मूर्ति के परिवार के सदस्य भी मौजूद थे और उनके उल्लेखनीय करियर के जश्न में हिस्सा ले रहे थे।

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन को प्रकाशित किया जाता है

डॉ. पी. चन्द्र शेखरा
महानिदेशक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद-500030, भारत

वेबसाइट: **www.manage.gov.in**

मुख्य संपादक
डॉ. पी. चन्द्र शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

संपादक
डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अटालूरी
उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन) मैनेज

सहायक संपादक
अपर्णा वी. आर
मैनेज फ़ेलो, मैनेज